श्री कामेश्वर सिंह 'सहायक प्रोफेसर'
राजनीति विभाग, रोहतास महिला कालेज सासाराम।
वर्ग — बी० ए० पार्ट — I 'प्रतिष्ठा'
पत्र — प्रथम, यूनिट न०— 18
राजनीतिक सिद्धान्त — डॉ० पुखराज जैन
दिनांक — 25-07-2020

अभिजन वर्ग का बोध भाग :— ...

अभिजन वर्ग एवं प्रजातंत्र का सम्बन्ध :— ...

प्रजातंत्र और अभिजन वर्ग के सम्बन्ध को लेकर विद्वानों में पर्याप्त तथ्यों से मतभेद है। कुछ विद्वान जैसे पैरेटो और मोस्का ने अपनी प्रारम्भिक रचनाओं में दोनों को परस्पर विरोधी बतलाया है। तथा मैनहीम ने प्रजातंत्र और अभिजन वर्ग के बीच तालमेल बैठाने का प्रयास किया है। मिचेल्स ने प्रजातंत्र और अभिजन वर्ग के सम्बन्ध में प्रजातंत्र की लौह सिद्धान्तों की चर्चा की है।

अभिजन वर्ग एवं प्रजातंत्र के सम्बन्ध में हमें गहरा मतभेद देखने को मिलता है। इसके सम्बन्ध में दो प्रमुख विचार धाराएँ प्रमुख रूप से प्रचलित है।

प्रजातंत्र और अभिजन वर्ग में विरोध :—

कार्ल मैनहीम ने अपनी प्रारंभिक रचनाओं में अभिजनवादी सिद्धान्तों को फासीवाद और बुद्धिवाद के विरोधी तत्वों के साथ सम्बन्धित किया है अर्थात वह इस बात पर बल देते हैं कि प्रजातंत्र में अभिजनवर्ग का अस्तित्व नहीं हो सकता है। यदि किसी प्रजातंत्र में अभिजनवर्ग काफी प्रभावशाली एवं शक्तिशाली है तो वह प्रजातंत्र नाममात्र का प्रजातंत्र है। अभिजन वर्ग एवं प्रजातंत्र में दो प्रमुख असमानताएँ पायी जाती हैं :—

(A) अभिजनवादी सिद्धान्त में योग्यताओं के सन्दर्भ में विषमता पर बल दिया जाता है जबकि प्रजातंत्र में बहुसंख्यक जनक वर्ग के द्वारा

व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों तथा समानता पर बल दिया जाता है।

(B) अभिजन-वादी सिद्धान्त में अल्पसंख्यक शासक वर्ग को महत्व दिया जाता है जबकि प्रजातंत्र में बहुसंख्यक शासन वर्ग पर बल दिया जाता है।

पैरेटो और मोस्का ने भी अभिजन वर्ग और प्रजातंत्र में विरोध पाया था। उनकी मान्यता थी कि प्रजातंत्र के दो मूलभूत सिद्धान्त समानता और बहुमत का शासन अभिजन-वाद के विरुद्ध है।

अभिजन-वाद उस सिद्धान्त पर आधारित है कि व्यक्तियों में स्वाभाविक रूप से असमानता पायी जाती है। बहुसंख्यक पर अल्पसंख्यक का शासन रहता है तथा प्रजातंत्र प्रजा का और प्रजा के लिए भले ही हो सकता है परन्तु प्रजा के द्वारा कदापि नहीं हो सकता है। इस विरोधाभास को देखने के बाद मोस्का मैनहीम ने अभिजन वाद में तालमेल बैठाने का प्रयास किया है।

दोनों में तालमेल बैठाया जा सकता है :—

मोस्का महोदय का मत है कि अभिजन वर्ग अनेक वर्गों और समूहों में विभाजित होता है। वे समूह जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे एक दूसरे की शक्ति अधिकारों को सीमित और संतुलित करते हैं। इस प्रकार शासक अभिजन अन्य समूहों से प्रभावित होता है और इनसे ही अपने को निर्वाचित कराकर प्रजातंत्र का संचालन करता है। क्रमशः....

Scanned with CamScanner